केंद्रीय विद्यालय संगठन गुरुग्राम संभाग

सन्देश

"निज भाषा उन्नति अहे सब उन्नति को मूल"

प्रसिद्ध साहित्यकार भारतेंदु हरिश्चंद्र ने अपनी भाषा की उन्नति को ही सभी प्रकार की उन्नति का मूल बताया है| हम सभी के लिए सौभाग्य एवं गर्व का विषय है कि हमने भारत वर्ष की पावन भूमि पर जन्म लिया है| हमारा देश अनेक विभिन्नताओं को अपने में समेटे हुए है| भाषाई आधार पर देखें तो आधिकारिक रूप से भारत में 22 भाषाएँ हैं| इन सभी भाषाओं में से हमने हिंदी को अपनी राजभाषा माना है| अतः हिंदी समस्त भारत को एक सूत्र में पिरोने का कार्य कर रही है|

भारत में प्रत्येक वर्ष **14** सितंबर का दिन हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन हिंदी दिवस इसलिए मनाया जाता है क्योंकि इसी दिन भारत की संविधान सभा ने देवनागरी लिपि में लिखी गई हिंदी भाषा को भारत गणराज्य की आधिकारिक भाषा बनाने की घोषणा की थी।

हिंदी दिवस प्रत्येक वर्ष हमें हमारी असली पहचान की याद तो दिलाता ही है साथ ही यह देश के लोगों को एकजुट करने का काम भी करता है। देश-विदेश में हम जहाँ भी जाएँ वहाँ हमारी पहचान हमारी भाषा और संस्कृति से ही होती है इसीलिए हमें इन्हें हमेशा बरक़रार रखना चाहिए। स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस या गांधी जयंती के बाद हिंदी दिवस का दिन एक ऐसा दिन है जो हमारे भीतर देशभक्ति की भावना को जगाता है और हिंदी भाषा सीखने -सिखाने के लिए हमें प्रेरित भी करता है।

हिंदी दिवस के पावन अवसर पर मैं गुरुग्राम संभाग के समस्त प्राचार्यों, शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं को शुभकामना प्रेषित करता हूँ और साथ-साथ यह अपील भी करता हूँ कि आप सब दिन-प्रतिदिन के कार्यों को करने हेतु हिंदी भाषा को प्राथमिकता दें|

"जय हिंदी जय भारत"

वरुण मित्र

उपायुक्त